# आज का पुरुषार्थ, 2 June 2022

**From**: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

**धारणा** – *" माया पर जीत पाना है तो पढ़ाई को महत्व दे, इस गॉडली स्टूडेंट लाइफ को दिल से enjoy करें "*

हम इस संसार के सबसे अधिक **भाग्यवान** है। अपने भाग्य को देखकर ज़रा मुस्कुराये तो सही। सामने भगवान उपस्थित है। सबकुछ देने आया है। **ताज** हाथ में लेकर आया है। **तिलक** लाया है ...

*" लो बच्चे! आओ, और यह विश्व के बादशाही का ताज पहनों "*

हमने कभी सोचा भी नहीं था कि भगवान इतने समीप आ जायेंगे। हम उसके **अधिकारी बच्चे बन जायेंगे।** वो आकर हमें श्रेष्ठ पढ़ाई पढ़ा रहे है।

भगवान की सबसे बड़ी कृपा ही है हमें पढ़ाना, हमें guide करना। **सत्य मार्ग दिखाना।** कैसे हम नीचे उतरे है, क्यों उतरे है इसका **ज्ञान** देना और ऊँचाई पर जाने का मार्ग क्या है उसकी guidance हमें दे देना। यही उनकी सम्पूर्ण कृपा वा आशीर्वाद है।

**हम पढ़ाई पर बहुत ध्यान दे।** हमें यह नशा हो जाना चाहिए हम Godly Students है! और स्वयं भगवान हमें पढ़ाने आये है!

ऐसा न हो कि हम लौकिक व्यस्तता के कारण या सुस्ति और अलवेलापन के कारण रोज पढ़ाई भी न पढ़ सके। हमें पढ़ना अवश्य है। **पढ़ाई ही हमारा जीवन है।** पढ़ाई में ही बहुत आनन्द है।

यदि आप रोज ईश्वरीय महावाक्य सुनने के लिए सेवाकेन्द्र पर जायेंगे तो वहाँ आपके विचारों में परिवर्तन होगा। वहाँ जाकर आपको एक **अलौकिक सुख** भासेगा। आप दुनिया से detach होने लगेंगे। **आपको समस्याओं का समाधान मिलेगा।**

और भगवान पढ़ाते है इस **आनन्द** से आत्मा बहुत-बहुत सुखी हो जायेगी। तो इस पढ़ाई पर बहुत ध्यान देना है।

तो न केवल **योग** लेकिन **पढ़ाई** को भी बहुत-बहुत महत्व देना है। पढ़ाई भी तो हमें **योगयुक्त** बनाने के लिए है। पढ़ाई हमारे जीवन को सरल बनाने के

लिए है। यह अलौकिक **पढ़ाई हमारे विचारों को महान बनाने के लिए है।** हमारे पवित्रता को सम्पूर्ण करने के लिए है।

क्योंकि **माया से हमारे युद्ध है।** और इस युद्ध में अगर हमारे पास अनेक अस्त्र-शस्त्र नहीं होंगे तो माया के साथ इस युद्ध में हार सुनिश्चित है। जो लोग प्रतिदिन क्लास नहीं करते वह माया पर सम्पूर्ण विजयी नहीं बन पाते है। इन अस्त्र-शस्त्र की बहुत-बहुत आवश्यकता है।

**बाबा बाप-टीचर और सदगुरू के रूप में हमारे पास आये है।** तो अगर हम अच्छी स्टाडि करेंगे, अगर हम अच्छे स्टूडेंट होंगे तो परम शिक्षक का बहुत प्यार और सम्मान हमें प्राप्त होगा। उसकी बहुत समीपता प्राप्त होगी।

और यह सत्य हमें जान लेना चाहिए कि बाबा वतन से कई बार अपने बहुत अच्छे बच्चों को देखता है। उन्हें **दृष्टि** देते है। वह क्या कर रहे है यह देखते है। तो हम उसके बहुत अच्छे बच्चे बन जाये। एक अच्छे student बन जाये। बहुत अच्छे follower बन जाये। तो उनकी दृष्टि हम पर निरंतर आती ही रहेंगी। और इसको छोटी बात न समझे।

**आज हम सारा दिन अभ्यास करेंगे ...**

*" सूक्ष्म लोक में बाबा है .. वहाँ से हमें निहार रहे है .. उनके नयनों से .. मस्तक से .. श्रेष्ठ वायब्रेशन्स निकलकर हमारी ओर आ रहे है "*

तो देखते रहे आज सारा दिन सूक्ष्म लोक में बापदादा की ओर और उनसे श्रेष्ठ एनर्जी प्राप्त करते रहे।

।। ओम शान्ति ।।

**BK Google**: www.bkgoogle.org

**Website**: www.shivbabas.org